सौर ऊर्जा से बढ़ेगा चंदेरी प्रोडक्शन

अक्षय ऊर्जा के रूप में पूरे विश्व में तरह-तरह से इस्तेमाल की जा रही सौर ऊर्जा का इस्तेमाल मध्यप्रदेश में बड़े ही अनोखे ढंग से हो रहा है। लोग तो आमतौर पर सौर ऊर्जा से बिजली बनाने या मशीनों को चलाने का काम करते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश का ऊर्जा विकास निगम अपने नए सोलर लाइट प्रोजेक्ट के माध्यम से मध्यप्रदेश के सबसे फेमस हथकरघा उद्योग चंदेरी को प्रमोट करने में जुटा हुआ है। ऊर्जा विकास निगम ने हाल ही ऐसे प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया है, जिससे सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर चंदेरी साड़ियों का प्रोडक्शन बढ़ाया जाएगा। मध्यप्रदेश की शान कहे जाने वाले फेब्रिक की बात करें, तो चंदेरी और महेश्वरी दो ऐसे फेब्रिक हैं, जिन्हें आज वर्ल्ड वाइड पहचान मिल चुकी है। वर्ल्ड वाइड और सिटी में इन फेब्रिक्स की डिमांड को देखते हुए अब मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम ने चंदेरी कलाकारों के प्रोडक्शन को बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने सिर ले ली है। दरअसल, इन दिनों ऊर्जा विकास निगम चंदेरी के बुनकरों के लिए एक खास प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, जिससे सौर ऊर्जा का इस्तेमाल चंदेरी कलाकारों के प्रोडक्शन को बढ़ा सके।

कैसे सौर ऊर्जा बढ़ाएगी प्रोडक्शन : अगर आप सोच रहे हैं कि ऊर्जा विकास निगम ने हथकरघों को सौलर बैटरी से चलने वाला बना दिया होगा, तो आप गलत हैं। बैटरी या बिजली से चलने वाली करघे हथकरघे रह ही कहां जाते हैं, वे तो मशीने बन जाती हैं। वास्तव में, ऊर्जा विकास निगम ने चंदेरी में साड़ियों का निर्माण करने वाली हर एक फैमिली को अब ऐसी सोलर लाइट लगाकर दी है, जो उन्हें रात में भी हथकरघा चलाने की सहूलियत देती है।

4 घंटे चलती है सोलर लाइट : खास बात यह है कि सोलर लाइट का डिस्ट्रीब्यूशन ऊर्जा विकास निगम ने परिवारों के आधार पर नहीं कर रही। बल्कि, सोलर लाइट्स को प्रति हथकरघा वितरित किया गया है। चंदेरी में करीब 2500 परिवार हैं, जिनमें हथकरघे पर चंदेरी के कपड़े की बुनाई का काम होता है। जबकि, पूरे क्षेत्र में ऊर्जा विकास निगम करीब 3700 हथकरघे लगाने की प्लानिंग में है। हैंडलूम्स पर लगाई जा रही यह लाइट करीब 4 घंटे जलेगी। यानी, सूरज ढलने के 4 घंटे बाद तक हथकरघा चलाने वाले कारीगर साड़ियों की बुनाई का काम कर सकते हैं। जबकि, पहले स्थिति यह थी कि सूरज के ढलते ही यहां कारीगर बुनाई काम बंद कर दिया करते थे।

जल्दी बन जाती हैं साड़ियां : चंदेरी बुनकर अहमद खान बताते हैं कि हमारे गांव में लाइट की व्यवस्था नहीं है। यही वजह है कि हथकरघा केवल तब तक ही चलता है, जब तक सूरज की रोशनी में सारा धागा अच्छे से दिखाई देते हों। शाम होते ही हमें अपना काम बंद करना पड़ता है, यही वजह है कि एक साड़ी बनाने में हमें एक सप्ताह से 15 दिनों तक का समय लग जाता है।

मेंटीनेंस की जिम्मेदारी हमारी

चंदेरी के कुछ बुनकरों की डिमांड पर हमने पूरा प्रोजेक्ट तैयार किया और इसे अब इम्प्लीमेंट भी कर रहे हैं। सोलर लाइट को चलाने के लिए हमने हर घर की छत पर सोलर पैनल लगाए हैं। पांच साल तक इन पैनल्स के मेंटीनेंस की जिम्मेदारी ऊर्जा विकास निगम उठाएगा। हमारे अधिकारी चंदेरी की हर तीन महीने में विजिट करेंगे, ताकि, किसी भी समस्या को तुरंत सुलझाया जा सके।

आईयू खान, कार्यपालन यंत्री, मप्र ऊर्जा विकास निगम